दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, मंगलवार, 15 मार्च 2022
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

बदलाव वक्त की मांग

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद अगर कांग्रेस के अंदर से असंतोष के स्वर उठने शुरू हुए तो इसे अस्वाभाविक नहीं कहा जा सकता। यह जरूर पूछा जा सकता है कि ये स्वर कितने मजबूत हैं और पार्टी के अंदर सुधार की प्रक्रिया को किसी तार्किक परिणति तक ले जा सकते हैं या नहीं। इसमें दो राय नहीं कि ये चुनावी नतीजे कांग्रेस के लिए करारा झटका हैं। पांच राज्यों की कुल 690 विधानसभा सीटों पर हुए हुए चुनावों में कांग्रेस बमुश्किल 55 सीटें जीत पाई। यूपी में 403 सीटों पर लडक़र वह महज दो सीटें हासिल कर सकी। पंजाब में आम आदमी पार्टी की आंधी के सामने वह टिक नहीं पाई। उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर कहीं से भी ऐसी कोई खबर नहीं आई, जिससे थोड़ी बहुत भी तसल्ली मिल पाती। इसके बाद जी-23 के एक प्रमुख सदस्य गुलाम नबी आजाद ने कहा कि वह पार्टी को इस तरह मरते नहीं देख सकते। जी-23 के ही एक और अहम सदस्य शशि थरूर ने भी कहा कि अगर पार्टी कामयाब होना चाहती है तो बदलाव अनिवार्य हैं। ध्यान रहे जी-23 नाम तब सामने आया, जब कांग्रेस के 23 वरिष्ठ नेताओं ने अगस्त 2020 में पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी को संगठनात्मक सुधार का सुझाव देते हुए पत्र लिखा था। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने इनके प्रमुख सुझावों पर सहमति जताते हुए संगठनात्मक चुनाव का इरादा भी घोषित किया था, लेकिन कोरोना के कारण उन पर अमल नहीं हो सका।

बहरहाल, विचार-विमर्श को लेकर पार्टी नेतृत्व ने भी तैयारी दिखाई है। सोनिया गांधी ने चुनाव परिणामों पर विचार के लिए जल्द ही पार्टी कार्यसमिति की बैठक बुलाने की बात कही है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि विचार-विमर्श के नाम पर क्या होने वाला है और पार्टी के अंदर किस हद तक बदलाव स्वीकार किए जाने वाले हैं। क्या पार्टी को गांधी परिवार की अगुआई से मुक्ति मिलने वाली है? हालांकि गांधी परिवार से बाहर के किसी शख्स को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने भर से इस बात की गारंटी नहीं हो जाती कि पार्टी में गांधी परिवार का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। पहले भी कई बार पार्टी का नेतृत्व गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति के हाथों में गया है, लेकिन पार्टी इस परिवार के आभामंडल से बाहर नहीं निकल पाई। फिर यह बात भी है कि अच्छा हो या बुरा, पर पिछले काफी समय से यही परिवार पार्टी की मुख्य प्राण शक्ति भी बना हुआ है। ऐसे में पार्टी और गांधी परिवार, संकट दोनों के सामने है। वे जिन मूल्यों की भी बात करें, उन्हें बचाने की उनकी कवायद का कोई मतलब तभी बनता है, जब वे राजनीति में प्रासंगिक बने रहें। और राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है। अगर देश की सबसे पुरानी पार्टी को इतिहास में दफन हो जाने से बचना है तो अपना कायाकल्प करना ही होगा।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराकर महिला विश्व कप में पहली जीत दर्ज की

हैमिल्टन । सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन की 104 रन की पारी भी पाकिस्तान के काम नहीं आ सकी जिससे उसे पदार्पण करने वाली बांग्लादेशी टीम ने सोमवार को यहां नौ रन से हराकर आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की।

जीत के लिये 235 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अमीन ने पाकिस्तान को तेज शुरूआत करायी और पहले विकेट के लिये नाहिदा खान (43 रन) के साथ 91 रन की भागीदारी निभाने के बाद बिस्माह मरूफ (31 रन) के साथ भी 64 रन साझेदारी की।

अमीन की शानदार बल्लेबाजी से पाकिस्तानी टीम लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी और उसने दो विकेट पर 183 रन बना लिये थे। लेकिन फाहिमा खातून (38 रन देकर तीन विकेट) ने जल्दी जल्दी तीन विकेट झटककर मैच का रूख ही बदल दिया। पाकिस्तान ने महज पांच रन के अंदर अपने पांच बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये और उसका स्कोर सात विकेट पर 188 रन हो गया। इसके बाद पूरी टीम नौ विकेट पर 225 रन ही बना सकी।

खातून ने ओमेमा सोहेल (10), आलिया रियाज (शून्य) और फातिमा सना (शून्य) के विकेट चटकाये जबकि रूमाना अहमद ने निदा डार (शून्य) को आउट किया जिसके बाद शतक जडऩे वाली अमीन रन आउट हो गयीं और पाकिस्तान की उम्मीद भी समाप्त हो गयी।

पहली बार महिला विश्व कप में खेल रही बांग्लादेश की टीम को अपने पहले दो मैचों में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था जबकि पाकिस्तान को अपने चौथे मैच में चौथी शिकस्त झेलनी पड़ी। साथ ही यह पाकिस्तान की महिला विश्व कप में लगातार 18वीं हार है।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद बांग्लादेश ने फरगना होक की 71 रन की पारी तथा शर्मिन अख्तर (44) और कप्तान निगार सुल्ताना (46) के उपयोगी योगदान से सात विकेट पर 234 रन का स्कोर बनाया।

फरगना ने तीसरे विकेट के लिये सुल्ताना के साथ 96 रन की साझेदारी निभाकर बांग्लादेश के स्कोर की नींव रखी जिससे टीम ने वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर खड़ा किया।

सलामी बल्लेबाज शमिमा सुल्ताना और शर्मिन अख्तर ने बांग्लादेश को तेज गेंदबाजों के खिलाफ अच्छी शुरूआत करायी लेकिन जैसे ही स्पिनरों को लगाया गया, चीजें बदल गयी। निदा डार ने शमिमा सुल्ताना को आउट कर दिया। बायें हाथ की स्पिनर नशरा संधू और लेग स्पिनर गुलाम फातिमा ने फिर कसी गेंदबाजी की जिसके बाद ओमेमा सोहेल ने दूसरी सलामी बल्लेबाज को आउट कर 20वें ओवर में बांग्लादेश का स्कोर दो विकेट पर 79 रन कर दिया।

देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी बनी महानदी कोलफील्ड्स

संबलपुर (ओडिशा)। कोल इंडिया लिमिटेड की इकाई महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) चालू वित्त वर्ष (2021-22) में 15.7 करोड़ टन से अधिक कोयला उत्पादन करके देश की अग्रणी कोयला उत्पादक कंपनी बन गई है।

कंपनी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि 12 मार्च 2022 को कंपनी ने 7.62 लाख टन सूखे ईंधन का उत्पादन किया, जो चालू वित्त वर्ष के दौरान एक दिन में सबसे अधिक है। इस वर्ष कोयला उत्पादन पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15.77 करोड़ टन तक पहुंच गया है।

एमसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ओ पी सिंह ने कंपनी को देश की अग्रणी कोयला उत्पादन कंपनी बनाने में योगदान देने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने में एमसीएल को बड़ी भूमिका निभानी है।''

एमसीएल ने ग्राहकों को 16.6 करोड़ टन सूखे ईंधन की आपूर्ति की जो पिछले वर्ष के मुकाबले 22 फीसदी अधिक है।

लाहिड़ी ने मौसम से प्रभावित प्लेयर्स चैम्पियनशिप में एक शॉट की बढ़त बनाई

पोंटे वेद्रा बीच (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने खराब मौसम से प्रभावित प्लेयर्स चैम्पियनशिप में परिस्थितियों से जूझते हुए शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्होंने एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली। लाहिड़ी (67-73 और तीसरे दौर में 11 होल में पांच अंडर) ने नौ अंडर से अमेरिका के हराल्ड वार्नर (69-69 और तीसरे दौर में नौ होल में दो अंडर) और टॉम होग (66-71 और तीसरे दौर में नौ होल में एक अंडर) पर एक शॉट की बढ़त बना ली थी। पीजीए टूर के इस टूर्नामेंट में तीसरे दौर को रविवार शाम साढ़े सात बजे अंधेरा होने के कारण रोक दिया गया। लाहिड़ी तब चार अंडर पर थे। लाहिड़ी को अभी 25 होल और खेलने है। खराब मौसम के कारण पहला दौर गुरूवार को खत्म हुआ था जिससे वह शुक्रवार और शनिवार को नहीं खेल सके थे।

इस सप्ताह लगातार चार दिन बंद रहेंगे बैंक

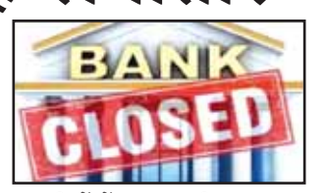

नईदिल्ली । अगर इस सप्ताह आपको बैंक से संबंधी कोई काम है तो ये खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। बता दें कि इस सप्ताह 4 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। अगर आपका भी कोई जरूरी कामकाज अटका हुआ है तो बिना देरी किए उसे निपटा लें, वर्ना बाद में अनावश्यक परेशानियों से जूझना पड़ सकता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की छुट्टियों की लिस्ट के अनुसार, इस सप्ताह होली के चलते कई रोज बैंकों का कामकाज बंद रहने वाला है। आरबीआई के अनुसार, इस सप्ताह की 4 छुट्टियों में कुछ स्थानीय अवकाश हैं, तो कुछ छुट्टियों पर पूरे देश भर में बैंक बंद रहने वाले हैं। इस कारण घर से निकलने से पहले बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट चेक कर लेना जरूरी है। आइए जानते हैं कि इस सप्ताह बैंक कब-कब और कहां-कहां बंद रहने वाले हैं।

17 मार्च: होलिका दहन की छुट्टी के चलते इस सप्ताह गुरुवार को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड में बैंकों के ब्रांच बंद रहेंगे।

- 18 मार्च: होली का त्योहार अलग-अलग नाम और रूप से पूरे देश में मनता है। शुक्रवार को देश के अलग-अलग हिस्सों में होली, धुलेटी और डोल जात्रा जैसे त्योहार मनाए जाएंगे। इसके चलते कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु, मणिपुर, केरल और पश्चिम बंगाल को छोडक़र सभी राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

- 19 मार्च: होली के अगले दिन शनिवार को ओडिशा, मणिपुर और बिहार में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा।

- 20 मार्च: रविवार के साप्ताहिक अवकाश के कारण पूरे देश में बैंकों की छुट्टियां रहेंगी। हालांकि बैंकों के ब्रांचेज बंद रहने के बाद भी कई तरह के बैंकिंग कामकाज डिजिटल तरीके से निपटाए जा सकते हैं। यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाओं पर छुट्टियों का कोई असर नहीं होगा। लगातार 4 दिनों की छुट्टियों को देखते हुए सभी बैंक पहले से ही इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि ग्राहकों को एटीएम से पैसे निकालने में दिक्कत नहीं हो।

आरबीआई की पाबंदी के बाद पेटीएम के शेयर में भारी गिरावट, खुलते ही 12 % से ज्यादा टूटे

मुंबई। डिजीटल वित्तीय सेवा प्लेटफॉर्म पेटीएम का परिचालन करने वाली कंपनी 'वन97 कम्यूनिकेशन्स' का शेयर कंपनी पर रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बाद सोमवार को सुबह के कारोबार में 12 प्रतिशत तक गिरकर 685 रुपये तक आ गया था। यह कीमत उसके निर्गम मूल्य से करीब 70 प्रतिशत कम है।

बाजार में यह गिरावट कंपनी के पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रिजर्व बैंक की पाबंदी के बाद आई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को इस बैंक को नए ग्राहक जोडऩे से रोक दिया है। केंद्रीय बैंक को पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पर्यवेक्षण को लेकर ठोस चिंताएं हैं, इसलिए उसने यह कार्रवाई की है।

आरबीआई ने इस बैंक को उसके आईटी प्रणाली की विस्तृत ऑडिट के लिए किसी बाहरी कंपनी की नियुक्ति का निर्देश भी दिया है। पेटीएम का शेयर पिछले साल नवंबर में बाजार में सूचीबद्ध हुआ था। यह देश में अब तक का सबसे बड़ा प्राथमिक शेयर निर्गम (आईपीओ) था। यह शेयर निवेशकों को 2150 रुपये के भाव में जारी किया गया था।

इस शेयर के बाजार पूंजीकरण में पहले दिन से लेकर अब तक 57,000 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई है। 18 नवंबर 2021 को पहले दिन के कारोबार के बंद होने के समय इसका बाजार पूंजीकरण एक लाख एक हजार चार सौ करोड़ रूपये के करीब था जबकि निर्गम मूल्य पर इसका मूल्यांकन 1.39 लाख करोड़ रुपये था।

इस बीच मुंबई शेयर बाजार बीएसई का सेंसेक्स पिछले बंद के स्तर से 483 अंक (0.87 प्रतिशत) ऊपर चल रहा था। दिन में 12 बजे इसका शेयर 706.90 रुपये पर चल रहा था जो पिछले बंद से 8.8 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। कारोबार के दौरान यह शेयर एक समय 680 रुपये से नीचे चला गया था।

सलमान और कैटरीना की फिल्म टाइगर 3 की रिलीज डेट जारी

सलमान खान जल्द ही कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगे। टाइगर 3 भी उनकी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सलमान और कैटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से इस फिल्म को पर्दे पर देखने की राह देख रहे हैं और अब आखिरकार उनका यह इंतजार खत्म होने वाला है। दरअसल, टाइगर 3 की रिलीज डेट सामने आ गई है। सलमान ने एक टीजर शेयर कर यह जानकारी दी है।

सलमान ने ट्विटर पर कैटरीना संग फिल्म का टीजर वीडियो शेयर कर लिखा, हम सब अपना अपना ख्याल रखें। 2023 ईद पर टाइगर 3 आ रही है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में भी रिलीज हो रही है। यशराज फिल्म्स की टाइगर 3 को 21 अप्रैल, 2023 को अपने आसपास के सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें। टीजर की शुरुआत कैटरीना के एक्शन से होती है। उनके फाइट सीन बयां करते हैं कि फिल्म इस बार ज्यादा खतरनाक होने वाली है।

सलमान अपने फैंस के लिए ईद पर कोई ना कोई फिल्म जरूर लाते हैं। खास बात ये है कि एकाध को छोडक़र ईद पर आई उनकी सभी फिल्में ब्लॉकबस्टर रही हैं। सलमान की पिछली फिल्म राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई भी ईद पर आई थी। रेस 3 और ट्यूबलाइट को छोड़ ईद के मौके पर रिलीज हुई उनकी हर फिल्म सुपरहिट रही। इस फेहरिस्त में दबंग, बॉडीगार्ड, एक था टाइगर, किक, बजरंगी भाईजान, सुल्तान और भारत जैसी फिल्में शामिल हैं।

यशराज फिल्म्स की सफल फ्रेंचाइजी टाइगर की शुरुआत कबीर खान निर्देशित एक था टाइगर से हुई थी। इसकी दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया था। ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं। अब इसके तीसरे पार्ट का निर्देशन मनीष शर्मा कर रहे हैं। टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में सलमान के साथ कैटरीना भी जबरदस्त एक्शन सीन करने वाली हैं। इमरान हाशमी इस फिल्म में विलेन बने हैं।

अपनी फिल्म छतरी वाली की डबिंग कर रहीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह एक्टर और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर लाइमलाइट में बनी रहती है। हाल ही में दोनों वेकेशन पर गएं थे। इसके अलावा भी दोनों कई जगह एकसाथ स्पॉट किये जाते हैं।

मालूम हो कि रकुल जल्द ही एक नई फिल्म छतरी वाली में नजर आने वाली है। फिल्म की शूटिंग तो पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी भी इसकी डबिंग की जा रहीं हैं। रकुल पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की डबिंग कर रहीं हैं जिसके बारे में उन्होंने खुद बताया है।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी में डबिंग स्टूडियो से अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वे डबिंग करते नजर आ रहीं हैं। इस फोटो के साथ अभिनेत्री लिखती है, तीसरा दिन!!! छतरी वाली डब।

बता दें की रकुल प्रीत सिंह इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी, जिसमें वह एक कंडोम टेस्टर की भूमिका निभाते दिखाई देगी। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। रकुल के अलावा फिल्म में प्राची शाह पांडे भी अहम भूमिका में है।

छतरी वाली का डायरेक्शन तेजस देवस्कर ने किया हैं, और इसे रॉनी स्क्रूवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेकर्स की ओर से फिल्म की रीलिज डेट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

बच्चन पांडे का बेवफा गाना हुआ रिलीज

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म बच्चन पांडे के गाने सारे बोलो बेवफा ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है। गाने में अरोसा खान हैं, जिनके डांस नंबर ने कई लोगों का ध्यान खींचा। एक सूत्र ने बताया कि सारे बोलो बेवफा गाने की सफलता के बाद अरूसा खान एक सनसनी बन गई हैं। लोग उनके आत्मविश्वास और सहज नृत्य कौशल की प्रशंसा कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि जिस दिन उन्होंने अपनी पहली फिल्म बच्चन पांडे साइन की, उसी दिन उन्होंने अपनी कानून की डिग्री प्राप्त की थी। सारे बोलो बेवफा एक्ट्रेस अरोसा खान साजिद नाडियाडवाला की बच्चन पांडे से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित, बच्चन पांडे में कृति सेनन, अरशद वारसी, पंकज त्रिपाठी, संजय मिश्रा, अभिमन्यु सिंह और जैकलीन फर्नांडीज सहित एक प्रतिभाशाली कलाकारों की टुकड़ी है।

आज का राशिफल

मेष: राशि स्वामी मंगल दशम भाव में होने से कुछ बिगड़े काम बनेंगे। विदेश यात्रा का प्रसंग प्रबल होगा लेकिन आपकी राशि पर चंद्रमा की दृष्टि होने के कारण आराम कम व संघर्ष अधिक रहेगा। स्वास्थ्य कुछ ढ़ीला रहेगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

वृषभ: राशि का स्वामी शुक्र नवम भाग्य आयु में धन, सांसारिक सुख वृद्धि कारक है। घर के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यापार के साझेदारों से तनाव बन सकता है। सायंकाल के समय उलझन के बावजूद पराक्रम में वृद्धि होगी।

मिथुन: आपकी राशि का स्वामी बुध राशि से नवम भाव में शनिग्रही है। चंद्रमा आज कन्या राशि का होकर चतुर्थ घर में अकस्मात संतान कष्ट और व्यर्थ से मानसिक कलेश हो सकता है। दिनभर भागदौड़ धूप करने के बाद सायंकाल कुछ राहत मिलेगी।

कर्क: आज का दिन आपके लिए काफी लाभदायक रहेगा। निवेश में आशा के अनुकूल लाभ होगा। कुछ ऐसे महान पुरूष अकस्मात आपका सहयोग करने के लिए आगे आएंगे, जिनके बारे में आपने कभी नहीं सोचा होगा।

सिंह: आपकी राशि का स्वामी सप्तम केंद्र भाव में कुंभ राशि पर परिभ्रमण कर रहा है। चंद्रमा आज सिंह राशि गत है, एकादश भाव में बड़े भाई को कष्ट व पारिवारिक उलझन पैदा करेगा। कोई नया काम या अनुबंध की जल्दबाजी न करें।

कन्या: आपकी राशि का स्वामी बुध षष्ठम शत्रु चिंता भाव में श्रेष्ठ मार्गों से धन आगमन के द्वारा कोष वृद्धि का संकेत कर रहा है। चंद्रमा आज कर्क राशि में स्थित होने पर भी आपके पराक्रम को बढ़ाएगा।

तुला: आपको आज का दिन विशेष शुभकारक है। आपसे वरिष्ठ व्यक्ति भी आपकी बात सुनेंगे। सभी अवाश्यक कार्य आसानी से बनते चले जाएंगे। यह भी संभव है कि पिछले कई मास से बंद पड़ा माल का आगमन फिर से शुरू हो जाए।

वृश्चिक: आपकी राशि पर आज चंद्रमा नवम का है। शनि-शुक्र पहले से ही राशि पर विपरीत फल कर रहे हैं। ऐसी कोई भी चीज न खरीदें जो जल्दी खराब होने वाली हो। कम दामों के लालच में कोई घटिया चीज न खरीदें।

धनु: शनि की साढ़ेसाती के प्रभाव से बनते कामों में विघ्न उत्पन्न हो रहे हैं। षष्ठम घर में वृष राशि का राहु भी व्यर्थ व्यय कीर्ति का ह्रास-परिहास कारक है। विदेश संबंधी कार्यों व संतान पक्ष पर अनावश्यक पैसा खर्चा हो सकता है।

मकर: आज का दिन मिश्रित फलकारक है। राशि का स्वामी शनि अपनी राशी पर स्थिति होने से प्रभाव प्रताप में वृद्धि होगी। शनि यद्यपि मंद फल कारक है। अत: अत्यधिक परिश्रम के द्वारा निर्वाह योग्य आय के साधन बनते रहेंगे।

कुंभ: आपके लिए आज का दिन अपेक्षाकृत शुभ रहेगा। राशि स्वामी शनि मकर राशि में होने से आर्थिक स्थिति से बेहतर होगी। राजनीति से जुड़े व्यक्तियों को उन्नति के विशेष अवसर प्राप्त होंगे।

मीन: आपकी राशि पर कुंभ का बृहस्पति की विशेष दृष्टि होने से आज विशेष धन लाभ व आय के साधनों में वृद्धि होगी। उच्च प्रतिष्ठित लोगों के साथ संपर्क बनेंगे। विदेश संबंधी कार्यों में प्रगति होगी।

चाय के साथ सर्व करें उड़द दाल की ये गरमा- गर्म पूड़ी

उड़द दाल से बनने वाली पूड़ियां न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है बल्कि इन्हें बनाना भी बेहद आसान होता है। तो आज हम इसकी क्विक रेसिपी के बारे में जानेंगे।

सामग्री :

उड़द दाल- 1 कप, आटा- 2 कप, हींग- चुटकीभर, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, अमचूर पाउडर- 1 टीस्पून, हल्दी- 1 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टेबलस्पून, हरी मिर्च- 2-3 कटी हुई, नमक- स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटी हुई

विधि :

- उड़द दाल को 2-3 घंटे धूप में रखने के बाद इसे पीसकर आटा बना लीजिए। अब इसमें गेहूं का आटा मिला लीजिए। अगर एक कप उड़द दाल आटा है तो 2 कप गेहूं का आटा होना चाहिए।

- अब इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर पाउडर, हींग और अदरक। डाल दीजिए।

- अब पानी डालकर आटा को गूंध लें और 10 मिनट सेट होने के लिए रख दें।

- 10 मिनट बाद छोटी लोई लेकर पूरियां बेल लीजिए।

- अब गोल्डेन ब्राउन होने तक पूरियां तल लीजिए।

- तैयार है उड़द दाल पूड़ी, जिसे किसी भी ग्रेवी वाली सब्जी या चटनी के साथ खाया जा सकता है।

शब्द सामर्थ्य- 13

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

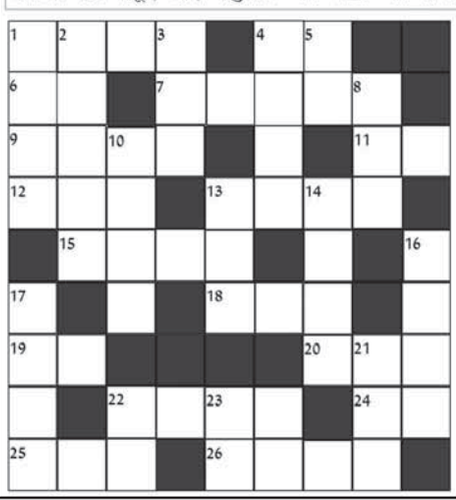

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 012 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 13

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.012 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2